

**PAPER-III**  
**RAJASTHANI**

**Signature and Name of Invigilator**

1. (Signature) \_\_\_\_\_

(Name) \_\_\_\_\_

2. (Signature) \_\_\_\_\_

(Name) \_\_\_\_\_

Roll No. 

--	--	--	--	--	--	--	--

(In figures as per admission card)

Roll No. \_\_\_\_\_

(In words)

**D 4 3 1 1**

Time : 2 1/2 hours]

[Maximum Marks : 200

Number of Pages in this Booklet : 32

Number of Questions in this Booklet : 19

**Instructions for the Candidates**

- Write your roll number in the space provided on the top of this page.
- Answer to short answer/essay type questions are to be given in the space provided below each question or after the questions in the Test Booklet itself.

**No Additional Sheets are to be used.**

- At the commencement of examination, the question booklet will be given to you. In the first 5 minutes, you are requested to open the booklet and compulsorily examine it as below :
  - To have access to the Question Booklet, tear off the paper seal on the edge of this cover page. Do not accept a booklet without sticker-seal and do not accept an open booklet.
  - Tally the number of pages and number of questions in the booklet with the information printed on the cover page. Faulty booklets due to pages/questions missing or duplicate or not in serial order or any other discrepancy should be got replaced immediately by a correct booklet from the invigilator within the period of 5 minutes. Afterwards, neither the Question Booklet will be replaced nor any extra time will be given.**
- Read instructions given inside carefully.
- One page is attached for Rough Work at the end of the booklet before the Evaluation Sheet.
- If you write your Name, Roll Number, Phone Number or put any mark on any part of the Answer Sheet, except for the space allotted for the relevant entries, which may disclose your identity, or use abusive language or employ any other unfair means, you will render yourself liable to disqualification.
- You have to return the test booklet to the invigilators at the end of the examination compulsorily and must not carry it with you outside the Examination Hall.
- Use only Blue/Black Ball point pen.**
- Use of any calculator or log table etc., is prohibited.**

**परीक्षार्थियों के लिए निर्देश**

- पहले पृष्ठ के ऊपर नियत स्थान पर अपना रोल नम्बर लिखिए ।
- लघु प्रश्न तथा निबंध प्रकार के प्रश्नों के उत्तर, प्रत्येक प्रश्न के नीचे या प्रश्नों के बाद में दिये हुए रिक्त स्थान पर ही लिखिये ।  
**इसके लिए कोई अतिरिक्त कागज का उपयोग नहीं करना है ।**
- परीक्षा प्रारम्भ होने पर, प्रश्न-पुस्तिका आपको दे दी जायेगी । पहले पाँच मिनट आपको प्रश्न-पुस्तिका खोलने तथा उसकी निम्नलिखित जाँच के लिए दिये जायेंगे, जिसकी जाँच आपको अवश्य करनी है :
  - प्रश्न-पुस्तिका खोलने के लिए उसके कवर पेज पर लगी कागज की सील को फाड़ लें । खुली हुई या बिना स्टीकर-सील की पुस्तिका स्वीकार न करें ।
  - कवर पृष्ठ पर छपे निर्देशानुसार प्रश्न-पुस्तिका के पृष्ठ तथा प्रश्नों की संख्या को अच्छी तरह चेक कर लें कि वे पूरे हैं । दोषपूर्ण पुस्तिका जिनमें पृष्ठ/प्रश्न कम हों या दुबारा आ गये हों या सीरियल में न हों अर्थात् किसी भी प्रकार की त्रुटिपूर्ण पुस्तिका स्वीकार न करें तथा उसी समय उसे लौटाकर उसके स्थान पर दूसरी सही प्रश्न-पुस्तिका ले लें । इसके लिए आपको पाँच मिनट दिये जायेंगे । उसके बाद न तो आपकी प्रश्न-पुस्तिका वापस ली जायेगी और न ही आपको अतिरिक्त समय दिया जायेगा ।**
- अन्दर दिये गये निर्देशों को ध्यानपूर्वक पढ़ें ।
- उत्तर-पुस्तिका के अन्त में कच्चा काम (Rough Work) करने के लिए मूल्यांकन शीट से पहले एक पृष्ठ दिया हुआ है ।
- यदि आप उत्तर-पुस्तिका पर नियत स्थान के अलावा अपना नाम, रोल नम्बर, फोन नम्बर या कोई भी ऐसा चिह्न जिससे आपकी पहचान हो सके, अंकित करते हैं अथवा अभद्र भाषा का प्रयोग करते हैं, या कोई अन्य अनुचित साधन का प्रयोग करते हैं, तो परीक्षा के लिये अयोग्य घोषित किये जा सकते हैं ।
- आपको परीक्षा समाप्त होने पर उत्तर-पुस्तिका निरीक्षक महोदय को लौटाना आवश्यक है और इसे परीक्षा समाप्ति के बाद अपने साथ परीक्षा भवन से बाहर न लेकर जायें ।
- केवल नीले/काले बाल प्वाइंट पेन का ही इस्तेमाल करें ।
- किसी भी प्रकार का संगणक (केलकुलेटर) या लॉग टेबल आदि का प्रयोग वर्जित है ।

**RAJASTHANI**  
**राजस्थानी**

**PAPER – III**  
**प्रश्नपत्र – III**

**Note :** This paper is of **two hundred (200)** marks containing **four (4)** sections. Candidates are required to attempt the questions contained in these sections according to the detailed instructions given therein.

**नोट :** ओ प्रश्नपत्र **दोय सौ (200)** अंकां रौ है अर इणमें **च्यार (4)** खण्ड है । अभ्यर्थी इणमें दियोडे सवालां रा पडूतर न्यारा दियोडे बिस्तृत निर्देशां रै मुजब देवै ।

**SECTION – I**

**खण्ड – I**

**Note :** This section consists of **two** essay type questions of **twenty (20)** marks each, to be answered in about **five hundred (500)** words each. **(2 × 20 = 40 marks)**

**नोट :** इण खण्ड मांय **बीस-बीस (20)** नंबरां रा **दो** लेखनुमा सवाल है । हरेक रौ पडूत्तर लगैटगै **पांच सौ (500)** सबदां मांय होवणौ चाईजै । **(2 × 20 = 40 अंक)**

1. किणी अेक विषय माथे पांच सौ सबदां रौ आलेख लिखौ :
- (अ) राजस्थानी भाषा अर उणरी विसेसतावां
- (ब) राजस्थानी लोकगाथावां
- (स) राजस्थानी संत परम्परा







2. क्कणी अेक वलषय ढाथै ढांच सौ सडदं रौ आलेख ललखौ :

(अ) राजस्थानी काव्य ढांय ढुरकृती चित्रण

(ड) ढहाकवि ढृथ्वीराज राठौड़

(स) आधुनलक राजस्थानी उपन्यास साहित्य









**SECTION – II**

**खण्ड – II**

**Note :** This section contains **three (3)** questions of **fifteen (15)** marks each, to be answered in about **three hundred (300)** words. **(3 × 15 = 45 marks)**

**नोट :** इण खण्ड मांय **पन्द्रह-पन्द्रह (15)** नम्बरां रा **तीन (3)** सवाल है । हरेक सवाल रौ पडुतर **तीन सौ (300)** सबदां रै लगेटगै होवणौ चाईजै । **(3 × 15 = 45 अंक)**

3. भारतीय लिपि परम्परा री ओळखांण करावतां थकां राजस्थानी री मुडिया लिपि रौ परिचै देवौ ।
4. राजस्थानी री रासौ काव्य परम्परा रौ विरोळ करौ ।
5. प्राचीन राजस्थानी गद्य विधावां मांय सूं किणी दो रौ परिचै देवौ ।

















**SECTION – III**

**खण्ड – III**

**Note :** This section contains **nine (9)** questions of **ten (10)** marks each, to be answered in about **fifty (50)** words. **(9 × 10 = 90 marks)**

**नोट :** इण खण्ड मांय **दस-दस (10-10)** अंकां रा **नौ (9)** सवाल है । हरेक सवाल रौ पडूनर लगैटगै **पचास (50)** सबदां मांय देवणौ है । **(9 × 10 = 90 अंक)**

6. ईसरदास रै काव्य री विसेसतावां बतावौ ।

7. लोक साहित्य री परिभाषा देतां थकां इण रै भेदां रौ खुलासौ करौ ।

---

---

---

---

8. आधुनिक राजस्थानी काव्य की प्रमुख प्रवृत्तियाँ की ओलखण करवौ ।

---

---

---

---

---

---

---

---

---

---

---

---

---

---

---

---

---

---

---

---

---

---

---

---

9. “राजस्थानी रौ नीतिपरक काव्य वौहारिक जीवन की सच्चाई रौ काव्य है ।” इण कथन नै पुखता करौ ।

---

---

10. राजस्थानी री प्रगतिवादी काव्य परम्परा माथै प्रकाश डालौ ।

11. “लोक कलावां री दीठ सूं राजस्थान घणौ सिमरध है ।” खुलासौ करौ

12. महाराज चतुरसिंहजी रै काव्य रौ मूल विषय उजागर करौ ।

13. बिश्नोई सम्प्रदाय री ओळखाण करावौ ।



14. जैन साहित्य री वलसेसतावां उजागर करो ।

## SECTION – IV

### खण्ड – IV

**Note :** This section contains **five (5)** questions of **five (5)** marks each based on the following passage. Each question should be answered in about **thirty (30)** words.

(5 × 5 = 25 marks)

**नोट :** इण खण्ड मांय नीचे लिख्ये गद्य अवतरण माथे आधारित **पांच (5)** सवाल है । हरेक सवाल रौ पडूत्तर **तीस (30)** सबदां रै लगैटगै हूवणौ चाईजै । हरेक सवाल **पांच (5)** नंबरं रौ है । (5 × 5 = 25 अंक)

सगळै संसार रै देसां में आपां रै भारत देश री संस्कृति अनूठी है । आ संस्कृति आप री खास विसेसतावां रै कारण जग चावी । यां सांस्कृतिक विसेसतावां रै पांण इज भारत विस्व-गुरु मानीजतौ । जीव मात्र रै प्रति दया-भाव, अतिथि-सेवा, सरणाई-साधार, परोपकार, परलोक सुधारण सारू सदाई सावचेत रहणौ, - ईस-उपासना, भांत-भांत रा कुरब-फायदा अर मांन-मरजादावां इत्याद इणरी सरावण जोग विसेसतावां । समै परवांण केई उतार-चढ़ाव आया, केई बारला लोगां जुद्ध कीना अर अठा री संस्कृति नै गत्ता सूं गमावण री कोसीसां करी, पण वांरौ फुण नीं फिरियो । जीमण-जूठण, कपडालता रै पैरवेस अर गैणां-गांठा में समै सार कीं बदळाव, भलांई आयग्यौ व्हे, पण इण संस्कृति रौ मूळ रूप कदै ई नीं बदलियो । इण संस्कृति रा पालणहार लोगां रा जीवन-मूल्य कदै ई नीं बदळिया । अै लोग भांत-भांत रा कस्ट झेल लीना, पण आपरा ओपता संस्कार नीं छोड़िया । आ बात अठा रा लोग आछी तरै जाणै हा कै संस्कृति इज सार है, बाकी सब बेकार है ।

उपर लिखियोडै गद्यांस माथै नीचे लिखिया सवालां रा पडूत्तर देबौ:

15. भारत देशरी संस्कृति किण भांत अनूठी है ?

16. भारत विश्व-गुरू किण कारण मानीजे ?

17. 'गत्ता सूं गमावण' अर 'फुण नीं फिरियो' मुहावरां रो अर्थ बतावौ ।

18. “संस्कृति इज सार है, बाकी सब बेकार है” इण कथन रौ खुलासौ करो ।

19. संस्कृति रौ मूल रूप किण कारण नीं बदळियो ?

**Space For Rough Work**

<b>FOR OFFICE USE ONLY</b>	
Marks Obtained	
Question Number	Marks Obtained
1	
2	
3	
4	
5	
6	
7	
8	
9	
10	
11	
12	
13	
14	
15	
16	
17	
18	
19	

Total Marks Obtained (in words) .....

(in figures) .....

Signature & Name of the Coordinator .....

(Evaluation)

Date .....